पर्यावरणीय समस्याएं एवं समाधान

- डॉ. सुनीता अवस्थी
- डॉ. पूजा वरुण

प्रकाशक :
किरण परनामी
राज पब्लिशिंग हाउस
44, परनामी मंदिर, गोविन्द मार्ग, जयपुर–302004
Cell : 09414051782
Email : shreerajpublishing@gmail.com

पर्यावरणीय समस्याएं एवं समाधान

© डॉ. सुनीता अवस्थी
© डॉ. पूजा वरुण

© अध्याय की विषयवस्तु के लेखकाधीन
Peer Reviewed International Standard Book No. (ISBN) Book
978-93-91777-05-0
संस्करण : जुलाई 2021

पुस्तक वितरण क्षेत्राधिकार : सम्पूर्ण भारत

पुस्तक प्रकाशन में सम्पूर्ण सावधानी बरती गई है। फिर भी किसी त्रुटि, कमी अथवा लोप का रह जाना मानवीय भूल के कारण संभव हो सकता है। पुस्तक में प्रकाशित लेख के विचारों हेतु सम्पादक एवं प्रकाशक की कोई जिम्मेदारी नहीं हैं।

मुद्रक
ट्राईडेन्ट एन्टरप्राइजेज, दिल्ली

संपादक मंडल (List of Peer Review Committee)

1. **डॉ. अरुणा गुप्ता**
   प्राचार्य– सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय, ब्यावर
   guptaaruna62@yahoo.in
   M.No. - 9251476001

2. **डॉ. सुधीर शर्मा**
   विभाग प्रभारी–हिंदी विभाग, कल्याण पी.जी. कॉलेज, भिलाई, छत्तीसगढ़
   sudhirsh.1964@gmail.com
   M.No. - 9039058748

3. **डॉ. अवनीश कुमार**
   सहायक आचार्य – बायो टेक्नोलॉजी विभाग, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा
   akbiotech81@gmail.com
   M.No. - 9410410378

4. **प्रो. बीना शर्मा**
   निदेशक – केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
   Dr. beena sharma@gmail.com
   M.No. - 9897223940

5. **डॉ. दर्शन सतीश चंद्र पुरोहित**
सह आचार्य – नाट्य शास्त्र विभाग, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा
purohit.ds-dramatics@msubaroda.ac.in
M.No. - 9825434395

6. **प्रो. बीना बुदकी**
अध्यक्ष, हिंदी कश्मीरी संगम, कश्मीर विश्वविद्यालय, कश्मीर
beenadeepakbudki@gmail.com
M.No. - 7208339787

7. **डॉ. नलिनी पुरोहित**
आचार्य – रसायन शास्त्र विभाग, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा
nalinipurohit22@gmail.com
M.No. - 9825578829

8. **डॉ. सुधीर सोनी**
स्टेट नोडल अधिकारी (हेलो वोटर्स, वेब रेडियो) परामर्शदाता (SVEEP), जयपुर
drsudhirsoni@gmail.com
M.No. - 9414716676

विषयानुक्रमणिका

अध्याय	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
	दो शब्द	(i)
1.	अशुद्ध पर्यावरण : जिम्मेदारी किसकी? **डॉ संदीप अवस्थी**	1
2.	पर्यावरण प्रदूषण एवं निदान **डॉ. बृजकिशोर**	10
3.	ध्वनि प्रदूषण एवं निदान **डॉ. अनीता अग्रवाल**	17
4.	जल–सामुदायिक उत्तरदायित्व **डॉ. बिन्दु तिवारी**	23
5.	प्लास्टिक प्रदूषण समस्या एवं समाधान **श्रीमती रजनी वरूण**	31
6.	बायोमास ऊर्जा: नवीन विकल्पात्मक संसाधन (राजस्थान के संदर्भ में) **सरोज गोस्वामी**	39
7.	दर्द तरंगें एवं पर्यावरण **ब्र. साक्षी जैन**	46
8.	भारत का संविधान और पर्यावरण संरक्षण **डॉ. पूजा वरूण**	50
9.	पर्यावरण एवं कानून **वेकरिया गोविंदभाई टी.**	59
10.	भारत में पर्यावरण की रक्षा हेतु किए गए प्रयास **श्रीमती संगीता पांचाल**	67
11.	लोक परम्परा में पर्यावरण संरक्षण **डॉ. श्रीमती वीणा चौबे**	75
12.	वेदों में निहित पर्यावरण संदेश **डॉ. (श्रीमती) कामना सहाय**	81
13.	लोक कला में पर्यावरण चेतना : एक अध्ययन **डॉ. बिन्दु अवस्थी**	88
14.	प्राचीन संस्कृत में पर्यावरण संरक्षण **डॉ. खेमराज सिंह**	93

ISBN : 978-93-91777-05-0

15.	भारतीय संस्कृति और पर्यावरण **डॉ. रिंकू पवैया (रश्मि राज वर्मा)**	99
16.	हिन्दी कविता में गंगा का पावन स्वरूप बनाम वर्तमान रूप **प्रतिमा खदुमरा**	106
17.	हिन्दी काव्य में पर्यावरण संरक्षण **डॉ. संगीता गर्वा**	111
18.	पारिस्थितिकी संतुलन एवं वातावरण परिवर्तन में संगीत की भूमिका **डॉ. दुष्यन्त त्रिपाठी**	119
19.	मौसमी परिवर्तन और उसका सामाजिक व आर्थिक प्रभाव **डॉ. शैलजा रानी अग्निहोत्री**	128
20.	प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं जैन संस्कृति **डॉ. सुनीता अवस्थी**	134
21.	पर्यावरण एवं स्वास्थ्य **जोशी विभा प्रफुलभाई**	139
22.	हरित विपणन : पर्यावरण रक्षक **डॉ. सुलक्ष्मी तोषनीवाल**	147
23.	हिंदी कहानी और बाढ़ से उपजी त्रासदियाँ **डॉ. अंजु**	153
24.	पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भूमिका : राजस्थान के विशेष संदर्भ में **डॉ. निधि यादव**	160
25.	आज की हिन्दी कविता में पर्यावरण : समस्या और संरक्षण **डॉ. मृगेन्द्र राय**	163
26.	भारत का संविधान और पर्यावरण संरक्षण – राज्य के नीति निदेशक तत्वों का विशिष्ट मूल्यांकन **डॉ. मनोज अवस्थी**	172
27.	गाँधी दर्शन में पर्यावरण संरक्षण – एक मूल्यांकन **डॉ. ज्योति देवल**	178
28.	जलवायु परिवर्तन–एक वैश्विक चुनौती **डॉ. नीलम जोशी**	183
29.	पर्यावरण संरक्षण – हमारी जिम्मेदारी **डॉ. कादम्बिनी मिश्र**	195
30.	पर्यावरण संरक्षण में जाम्भोजी का योगदान **डॉ. दीपाली शर्मा**	199
31.	नानकवाणी में मानस पर्यावरण **डॉ. प्रिया शर्मा**	202

ISBN : 978-93-91777-05-0

32. वर्तमान समय में लोक कलाओं का स्वरुप : पर्यावरणीय सन्दर्भ 209
डॉ. जूही शुक्ला

33. Air Pollution in Rajasthan - Problems and suggestions 214
Dr. Kamal Kanwar Rathore

34. Covid 19 Pandemic And Pollution: The Unseen Scenario 220
Dr. Puja Dewanda

35. Environment and its Significance in Ancient Indian Art and Aesthetics 226
Dipto Narayan Chattopadhyay

36. Environmental Impact of Building Materials 231
Hemant Kumar

37. Corporate Social Responsibility and Environment 238
Dr. Vineeta Arora

38. Environmental Accounting in India: A Review 244
Dr. Mahima Gupta

39. Environmental Awareness : A Study 251
Dr. Lata Chandola

40. Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA) helps to regenerate the Rural Natural Resources 260
Dr. Jai Narayan Gurjar, Ms . Kalpana Depan

ISBN : 978-93-91777-05-0

31

नानकवाणी में मानस पर्यावरण

डॉ. प्रिया शर्मा*

पर्यावरण और मनुष्य का अटूट संबंध है। वायु, जल, अग्नि, आकाश, थल, इन पांच तत्वों पर मानव जीवन आधारित है। आज ग्लोबल वार्मिंग की समस्या विश्व भर में फैल रही है, किंतु इसका पक्का समाधान नानकवाणी के जपुजी साहिब में दर्ज है –

पवणु गुरु पाणी पिता माता धरति महतु।
दिवसु राति दुइि दाइ दाइिआ खेलै सगल जगतु।।

अर्थात पवन गुरु के समान है, पानी पिता का प्यार देता है, धरती माता है, जीवन देने वाली है। दिन और रात दाई–दाया हैं, अर्थात् सबके अपने नियम हैं। दिन कर्म करने के लिए है, परिश्रम करने के लिए है, रात विश्राम करने के लिए है। अगर इतने सरल शब्द भी मनुष्य की समझ में नहीं आए हैं, फिर प्रकृति के साथ हमारा संबंध कैसे कायम होगा? देश के लोगों को पर्यावरण के महत्व को समझाने के लिए 5 जून से 16 जून के बीच 'पर्यावरण दिवस' मनाने के लिए प्रेरित किया है। मानवता पर आज जो दुःख, निराशा, आक्रोश फैला हुआ है, उसके मूल में मानव की असीम आकांक्षाएं हैं। मनुष्य अपने स्वार्थवश पेड़–पौधों की कटाई करके प्राकृतिक संसाधनों से खिलवाड़ कर रहा है, परिणामस्वरूप करोना महामारी हमारे समक्ष चुनौती बन कर खड़ी है। अगर मनन किया जाए तो स्पष्ट है कि मनुष्य को किसी का भय ही नहीं रहा। प्रकृति रूपी संपदा का हनन करते हुए उसे लेशमात्र भी दुःख नहीं हुआ। गुरु नानक देव ने मनुष्य को समझाते हुए कहा है कि प्राकृतिक वस्तुएं भी परमात्मा के भय से वंचित नहीं।

---

* सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग – केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश शैक्षणिक खंड, धौलाधार परिसर–1

ISBN : 978-93-91777-05-0